आपका ये दर | by Reshmi Sharma

जबसे पाया है कन्हैया आपका ये दर
तबसे जग में जी रहा हूँ मैं उठा के सर

इस जीवन के एक एक पल को ,प्यार से तुमने संवारा
दुनिया भर का सुख मेरे बाबा, तुमने मुझ पर वारा
तेरे एहसान गिनने लगूँ,तो बीत जाए उमर
जबसे पाया है कन्हैया.....

तेरे नाम का अमृत प्याला रोज़ ही मैं पीता हूँ
कल की चिंता अब नहीं रहती, आज में मैं जीता हूँ
उसे भला क्या चिंता खुद की, तुझपे जो निर्भर
जबसे पाया है कन्हैया.....

जबसे तुमने थाम रखी है सोनू की ये कलाई
आने से पहले लाख दफा ये सोचती है कठिनाई
उसके दिल को कैसे डराए, जिसका तू दिलबर
जबसे पाया है कन्हैया.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%aa%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-by-reshmi-sharma/